Sixteenth Loksabha

pan>

Title: Need to change the name of Aurangabad to Sambhajinagar.

श्री चन्द्रकांत खैरे (औरंगाबाद) :उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय गृह मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।

महोदय, मैंने अपने संसदीय क्षेत्र और जिला औरंगाबाद का नाम परिवर्तित कर संभाजीनगर करने का निवेदन केंद्रीय गृह मंत्रालय और महाराष्ट्र शासन से तीस वर्षों से कई बार किया है। इस सदन के माध्यम से भी मैं यह निवेदन करता रहा हूं। साथ ही साथ संभाजीनगर (औरंगाबाद) के चिकलठाणा एयरपोर्ट का नाम छत्रपति राजे संभाजी भोसले करने का प्रस्ताव किया था, जो अब तक नहीं हो सका है।

हिन्दुस्तान में औरंगाबाद नाम के दो जिले हैं। एक महाराष्ट्र में और दूसरा बिहार में। इसलिए यह अच्छा होगा कि एक शहर का नाम परिवर्तित करने का प्रस्ताव मान लिया जाए। माननीय श्री बालासाहेब ठाकरे जी की अंतिम इच्छा थी कि इस शहर का नाम संभाजी नगर कर दिया जाए। छत्रपति संभाजी महाराज, छत्रपति शिवाजी महाराज के सुपुत्र थे और अत्यन्त वीर योद्धा थे। उन्होंने 126 लड़ाइयां लड़ी थीं और सभी युद्धों में विजय पताका फहरायी थी। वे अपराजित योद्धा थे। छत्रपति संभाजी महाराज का औरंगाबाद में बहुत बड़ा सोनेरी महल है। यहां उन्होंने अपने जीवन का अंतिम समय बिताया था।

औरंगाबाद महानगरपालिका ने 19 जून, 1995 और 4 जनवरी, 2011 को प्रस्ताव पास किया था और वर्ष 1996 में महाराष्ट्र कैबिनेट ने भी प्रस्ताव पास किया था। इस प्रस्ताव को राज्य शासन के पास आवश्यक कार्यवाही हेतु भेज दिया था। हाल के वर्षों में कई शहरों का नाम परिवर्तित किया गया है। जैसे कलकत्ता-कोलकाता, कोचिन-कोच्चि, मद्रास-चेन्नई, बैंगलोर-बंगलुरू तथा बम्बई-मुंबई, तो एक ही नाम के दो शहर औरंगाबाद के नाम को परिवर्तित क्यों नहीं किया गया है?

HON. DEPUTY SPEAKER: Shri Bhairon Prasad Mishra is permitted to associate with the issue raised by Shri Chandrakant Khaire.